मॉनसून 2019 पूर्वानुमान: सामान्य से कम होगी बारिश-स्काइमेट

नई दिल्ली, भारत 3 अप्रैल, 2019: मौसम पूर्वानुमान और कृषि रिस्क सोल्यूशन के क्षेत्र में भारत की अग्रणी कंपनी स्काईमेट ने 2019 के लिए मॉनसून पूर्वानुमान जारी किया है। स्काइमेट के अनुमान के अनुसार आगामी मॉनसून में दीर्घावधि औसत (एलपीए) के मुक़ाबले 93% (+/-5%) वर्षा हो सकती है। पूर्वानुमान के अनुसार जून-सितंबर की चार माह की मॉनसून अवधि में दीर्घावधि औसत 887 मिलीमीटर की तुलना में कम वर्षा होगी।

स्काइमेट का अनुमान है कि पूर्वी भारत और मध्य भारत के ज़्यादातर हिस्सों में मॉनसून के सबसे खराब प्रदर्शन की आशंका है। इन भागों में विशेष रूप से शुरुआती दो महीनों में मॉनसून कमजोर होगा।

शुरुआती महीने जून में मॉनसून का आगाज़ सबसे ज़्यादा निराशाजनक होगा। जुलाई में भी स्थितियाँ बेहतर होने के आसार बहुत कम हैं। उसके बाद अगस्त में मॉनसून अपनी लय में दिखेगा और सामान्य बारिश देखने को मिलेगी। सितंबर में भी सामान्य वर्षा होने की संभावना है। ओड़ीशा, छत्तीसगढ़ और तटीय आंध्र प्रदेश में पूरे मॉनसून सीज़न में सामान्य बारिश हो सकती है।

स्काइमेट के सीईओ, जतिन सिंह के अनुसार प्रशांत महासागर सामान्य से काफी अधिक गर्म है। El Niño के मार्च से मई के बीच अस्तित्व में होने की संभावना 80% होगी। जबकि जुलाई-अगस्त में प्रबलता कम होकर 60% हो जाएगी। साल 2019 कमजोर होते अल नीनो वर्ष के रूप में माना जाएगा लेकिन यह थ्रेशहोल्ड वैल्यू पर बना रहेगा जिससे 2019 में मॉनसून कमजोर होने की संभावना है।

स्काइमेट ने इससे पहले 25 फरवरी 2019 को मॉनसून का प्राथमिक अनुमान जारी किया था, जिसमें सामान्य मॉनसून वर्षा की संभावना जताई थी। जनवरी में अल नीनो के तेज़ी से कमजोर होने के संकेत मिल रहे थे इसलिए अनुमान सामान्य मॉनसून का था। लेकिन उस दौरान भी स्काइमेट ने सामान्य वर्षा की संभाव्यता 50% बताई थी।

उसके बाद स्थितियाँ तेज़ी से बदलीं और अब प्रशांत महासागर में अल नीनो की प्रबलता बनी हुई है। वर्तमान स्थितियों को देखते हुए अनुमान है कि जल्द ही अल नीनो की घोषणा की जा सकती है। संभावना है कि त्रिमासिक चरण में मई-जून-जुलाई में अल नीनो का अस्तित्व 66% होगा, 32% संभाव्यता तटस्थ अल नीनो की है और 2% संभाव्यता ला नीना की है।

इंडियन ओशन डाइपोल (IOD) मॉनसून को संभाल सकता है, जिसके मॉनसून सीज़न में तटस्थ या सकारात्मक स्थिति में रहने की संभावना है। इसलिए अनुमान है कि आईओडी अल नीनो का असर मॉनसून के दूसरे चरण में कम कर सकता है। जिससे आखिरी दो महीनों में बारिश बेहतर हो सकती है।

दूसरी ओर एक अन्य सामुद्रिक पैरामीटर 'माडन जूलियन ओशीलेषन' (MJO) प्रशांत महासागर में अभी दूर है। मॉनसून पर इसके प्रभाव के बारे में अभी कुछ भी कहना जल्द बाज़ी होगा।

दूसरी ओर प्री-मॉनसून सीज़न में तेज़ होती गर्मी को मॉनसून को उकसाने वाले मौसम के रूप में देखा जाता है। जबकि पहले प्री-मॉनसून महीने मार्च में गर्मी औसत से कम रही क्योंकि तापमान सामान्य से कम दर्ज किया गया। हालांकि अप्रैल में स्थितियाँ बदली हैं। तापमान में वृद्धि का रुझान देखने को मिल रहा है जो मई में भी जारी रह सकती है। इससे संभावना है कि मॉनसून के आगमन से पहले गर्मी अपने चरम पर होगी।

स्काइमेट के मुताबिक जून-जुलाई-अगस्त-सितंबर में कुल मॉनसूनी बारिश की संभावना इस प्रकार है:

• 0% संभावना अत्यधिक बारिश की है (LPA के मुक़ाबले 110% से अधिक वर्षा को अत्यधिक माना जाता है)

• 0% संभावना अधिक बारिश की है (LPA के मुक़ाबले 105% से 110% वर्षा को अधिक माना जाता है)

• 30% संभावना सामान्य बारिश की है (LPA के मुक़ाबले 96% से 104% वर्षा को सामान्य माना जाता है)

• 55% संभावना सामान्य से कम वर्षा की है (LPA के मुक़ाबले 90% से 95% वर्षा सामान्य से कम होती है)

• 15% संभावना सूखे की है (मॉनसून सीसन में 90% से कम बारिश होने पर सूखा माना जाता है)

जून-जुलाई-अगस्त-सितंबर में बारिश की संभावना का विवरण इस प्रकार है:

जून- दीर्घावधि औसत के मुक़ाबले 77% बारिश हो सकती है (जून में औसतन 164 मिमी वर्षा होती है)

- 15% संभावना सामान्य बारिश की है।
- 10% संभावना सामान्य से अधिक बारिश की है।
- 75% संभावना सामान्य से कम बारिश की है।

जुलाई– दीर्घावधि औसत के मुक़ाबले 91% बारिश हो सकती है (जुलाई में औसतन 289 मिमी वर्षा होती है)

- 35% संभावना सामान्य बारिश की है।
- 10% संभावना सामान्य से अधिक बारिश की है।
- 55% संभावना सामान्य से कम बारिश की है।

अगस्त– दीर्घावधि औसत के मुक़ाबले 102% बारिश हो सकती है (अगस्त में औसतन 261 मिमी वर्षा होती है)

- 55% संभावना सामान्य बारिश की है
- 15% संभावना सामान्य से अधिक बारिश की है
- 30% संभावना सामान्य से कम बारिश की है

सितम्बर– दीर्घावधि औसत के मुक़ाबले 99% बारिश हो सकती है (सितम्बर में औसतन 173 मिमी वर्षा होती है)

- 55% संभावना सामान्य बारिश की है
- 15% संभावना सामान्य से अधिक बारिश की है
- 30% संभावना सामान्य से कम बारिश की है

स्काईमेट, मौसम पूर्वानुमान और कृषि रिस्क सोल्यूशन के क्षेत्र में अग्रणी भारतीय कंपनी है। स्काइमेट को कृषि क्षेत्र में आंकलन, पूर्वानुमान और जलवायु से उत्पन्न रिस्क को कम करने में विशेष रूप से दक्षता है। आपदा व् उर्जा प्रबंधन में भी स्काईमेट की दखल है। स्काईमेट 14 वर्षों से मीडिया, बीमा और कृषि क्षेत्र को मौसम पूर्वानुमान का विश्लेषण और आंकड़े उपलब्ध करा रहा है।

टाटा पावर, रिलायंस इन्फ्रा, विश्व बैंक, एचडीएफ़सी एर्गो, भारतीय कृषि बीमा निगम (एआईसीआईएल), आईसीआईसीआई लॉमबार्ड, द हिंदुस्तान टाइम्स, द हिन्दू और द टेलीग्राफ स्काइमेट के प्रमुख क्लाइंट में से एक हैं। एग्री-टेक क्षेत्र के साथ काम करने वाली ओमनीवोर कंपनी और डीएमजी:इन्फोर्मेशन स्काइमेट की साझेदार हैं।

Skymet Weather Services Private Limited

Plot no 10 & 11, GYS Heights, Sector 125, Noida – 201303 (India)

Tel: +91 120 4094505   Email: **monsoon@skymetweather.com**